



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 27, 2004/माघ 7, 1925

No. 23]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 27, 2004/MAGHA 7, 1925

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 27 जनवरी, 2004

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2004

फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/19023/2004.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1.(i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2004 कहा जा सकेगा।

(ii) वे 3 फरवरी 2004 को प्रवृत्त होंगे।

2.(i) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 में,
(क) विनियम 15 के पश्चात्, नया विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“15क. (1) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता अथवा उप लेखा अपतटीय व्युत्पत्ती लिखतों

यथा सहभागिता नोटों, इक्विटी संबद्ध नोटों या किन्हीं अन्य वैसी ही

लिखतों का निर्माण, में व्यौहार या को धारण कर सकेगा अंडरसाइंग

प्रतिभूति के प्रति, भारत में किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित, केवल उन सत्ताओं के पक्ष में जो किसी सुसंगत विनियामक प्राधिकरण द्वारा उनके निगमन के देशों में विनियमित होती हैं, “अपने ग्राहक को जानिये” अपेक्षा की अनुपालना के अध्यक्षीन।

परंतु यह कि यदि कोई ऐसी लिखत पहले ही से जारी कर दी गयी हो, 3 फरवरी 2004 के पूर्व, विनियमित सत्ता से भिन्न व्यक्ति को, ऐसे संव्यवहार के लिए संविदा लिखत की परिपक्वता पर या 3 फरवरी 2004 से पाँच वर्षों की कालावधि के भीतर समाप्त हो जायेगी, जो भी पहले हो।

- (2) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता अथवा उप लेखा सुनिश्चित करेगा कि उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट किसी लिखत का कोई भी उत्तरभावी डाउन स्ट्रीम निर्गमन या अंतरण ऐसी विनियमित सत्ताओं से भिन्न किसी व्यक्ति को नहीं किया जाता है।”

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/69 जैडबी/2003/असा.]

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995, का.आ. सं. 918(अ), 14 नवम्बर, 1995 को भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3(ii) में प्रकाशित हुए थे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 तत्पश्चात् -
 - (क) 9 अक्टूबर, 1996 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं. 702(अ), द्वारा
 - (ख) 19 नवम्बर, 1996 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं. 799(अ), द्वारा
 - (ग) 12 फरवरी, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 105(अ), द्वारा

- (घ) 10 जुलाई, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 495(अ), द्वारा
- (ङ) 5 दिसम्बर, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 823(अ), द्वारा
- (च) 20 अप्रैल, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 333(अ), द्वारा
- (छ) 18 मई, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 417(अ), द्वारा
- (ज) 30 जून, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 545(अ), द्वारा
- (झ) 16 अप्रैल, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 263(अ), द्वारा
- (ञ) 26 अगस्त, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 688(अ), द्वारा
- (ट) 29 फरवरी, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 180(अ), द्वारा
- (ठ) 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 278(अ), द्वारा
- (ड) 20 अक्टूबर, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 946(अ), द्वारा
- (ढ) 13 फरवरी, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 128(अ), द्वारा
- (ण) 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 476(अ), द्वारा
- (त) 27 सितंबर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, का.आ. सं. 1045(अ), द्वारा
- (थ) 10 दिसंबर 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2002, का. आ. सं. 1292 (अ) द्वारा
- (द) 14 मई 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2003, का. आ. सं. 548 (अ) द्वारा
- (ध) 28 अगस्त 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003, का. आ. सं. 990 (अ) द्वारा

संशोधित हुए थे ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 27th January, 2004

**Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment)
Regulations, 2004**

F. NO. SEBI/LAD/DOP/19023/2004.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995, namely :—

1. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2004

(ii) They shall come into force on 3rd February 2004

2. (i) In the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995,

(a) after regulation 15, a new regulation shall be inserted, namely: -

“15A. (1) A Foreign Institutional Investor or sub account may issue, deal in or hold, off-shore derivative instruments such as Participatory Notes, Equity Linked Notes or any other similar instruments against underlying securities, listed or proposed to be listed on any stock exchange in India, only in favour of those entities which are regulated by any relevant regulatory authority in the countries of their incorporation or establishment, subject to compliance of “know your client” requirement:”

Provided that if any such instrument has already been issued, prior to the 3rd February 2004, to a

person other than a regulated entity, contract for such transaction shall expire on maturity of the instrument or within a period of five years from 3rd February, 2004, whichever is earlier.

- (2) A Foreign Institutional Investor or sub account shall ensure that no further down stream issue or transfer of any instrument referred to in sub-regulation (1) is made to any person other than a regulated entity."

G. N. BAJPAI, Chairman

[Advt. III/IV/69 ZB/2003/Exty.]

Foot notes:

1. The SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 were published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii) on November 14, 1995 vide No. S.O. 918(E).
2. The Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 were subsequently amended –
 - (a) on October 9, 1996 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1996 vide No. S.O. 702(E).
 - (b) on November 19, 1996 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1996 vide No. S.O. 799(E).
 - (c) on February 12, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1997 vide No. S.O. 105(E).

- (d) on July 10, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1997 vide No. S.O. 495(E).
- (e) on December 5, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1997 vide No. S.O. 823(E).
- (f) on April 20, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1998 vide No. S.O. 333(E).
- (g) on May 18, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1998 vide No. S.O. 417(E).
- (h) on June 30, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1998 vide No. S.O. 545(E).
- (i) on April 16, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1999 vide No. S.O. 263(E).
- (j) on August 26, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1999 vide No. S.O. 688(E).
- (k) on February 29, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2000 vide No. S.O. 180(E).

- (l) on March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide No. S.O. 278(E).
- (m) on October 20, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide No. S.O. 946(E).
- (n) on February 13, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2001 vide No. S.O. 128(E).
- (o) on May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide No. S.O. 476(E).
- (p) on September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide No. S.O. 1045(E).
- (q) on December 10, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2002 vide No. S.O. 1292 (E).
- (r) on May 14, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2003 vide No. S.O. 548 (E).
- (s) on August 28, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2003 vide No S.O. 990 (E).